



पिंकी की चूत, मेरा नौसिखिया लण्ड -4

“मैं पिंकी की चूत चूस रहा था, वो आनन्द के मारे पागल हुई जा रही थी, कह रही थी कि अब कुछ करो। मेरे लण्ड को पकड़ कर अपनी चूत पे रखने लगी। मैंने भी घुसा दिया। ...”

Story By: आदित्य चौहान (adityachauhan)

Posted: Saturday, August 15th, 2015

Categories: [जवान लड़की](#)

Online version: [पिंकी की चूत, मेरा नौसिखिया लण्ड -4](#)

पिंकी की चूत, मेरा नौसिखिया लण्ड -4

अब तक आपने पढ़ा...

पिन्की बार-बार 'आदित्य आई लव यू..' बोले जा रही थी, वो अपने पैरों से मेरे सिर को अपनी चूत पर दबाए जा रही थी.. और अपने पैरों को मेरे पीठ पर रगड़ रही थी।

मैंने उसकी चूत को अपनी उंगलियों से खोल रखा था और उसकी चूत के छेद में अपनी जीभ डाल कर जीभ से ही पिन्की की चुदाई कर रहा था।

वो मेरे हाथ को पकड़ कर अपने चूचों पर रखवा कर उन्हें दबवाने का इशारा कर रही थी और मैं उसके चूचों को बारी-बारी से मसल रहा था।

पिन्की ऊपर मुँह किए बस जन्नत को महसूस कर रही थी। अब मैं उसकी चूत में उंगली कर रहा था और चूत के दाने को अपनी जीभ से सहला रहा था।

अब आगे..

थोड़ी देर बाद पिन्की मुझे पकड़ कर ऊपर खींचने लगी और बोलने लगी- प्लीज़ आदित्य..

अब कुछ करो.. मुझसे अब सहन नहीं हो रहा..

वो मुझे किस करने लगी और अपने हाथ से मेरे लंड को पकड़ कर अपनी चूत पर रगड़ने लगी।

मैं- क्या करूँ जानू ?

पिन्की- कुछ भी करो.. पर करो।

मैं- अभी करता हूँ।

मैंने अपना लंड पकड़ कर उसकी चूत पर रगड़ना शुरू कर दिया और किस करते हुए धीरे-धीरे अन्दर डालने लगा।

जैसे ही मैंने अपना लंड उसकी चूत पर लगाया.. पिन्की तो बस उसे अपनी चूत में लेने के लिए तड़पने लगी और हाथ से लंड को अपनी चूत के छेद पर लगा कर अपनी कमर को ऊपर उठाने लगी और मेरे नीचे वाले होंठ को चूसने लगी ।

अब मैंने भी देर ना करते हुए अपना लंड पिन्की की चूत में डाल दिया.. जैसे ही आधा लंड अन्दर गया तो पिन्की चिल्लाने लगी.. तो मैं लंड बाहर निकालने लगा ।
पिन्की बोली- ऊहूह..साले बाहर मत निकाल.. बस अन्दर डाल कर थोड़ी देर रुका रह.. मैं सहन कर लूँगी..

यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं

मैंने ऐसा ही किया और थोड़ी देर तक ऐसे ही पड़ा रहा.. तब तक पिन्की दर्द से हिलती रही और लंड को अपनी चूत में सैट करती रही । जब उसका दर्द कम हो गया तो नीचे से कमर उठा कर मुझे चोदने का इशारा करने लगी.. तो मैंने भी बाकी बचा सारा लंड उसकी चूत में डालने लगा ।

वो एक बार फिर से तड़फ उठी.. तो मैंने आँखों ही आँखों में इशारे से उसे शान्त रहने को कहा ।

फिर मैंने बिना समय गंवाए एक दूसरा झटका लगा दिया और मेरा लंड पहली चुदाई में उसकी चूत में जड़ तक उतर गया ।

पिन्की को अभी भी काफ़ी दर्द हो रहा था और वो कह रही थी- अपना लण्ड अब निकाल ले.. मेरी तो चूत फटी जा रही है ।

मैंने कहा- बस थोड़ी देर बर्दाश्त करो.. फिर तुम्हें मज़ा ही मज़ा मिलेगा ।

यह कह कर मैं उसकी चूचियाँ चूसने लगा और एक हाथ से उसकी चूत का दाना भी मसलने लगा ।

जिससे उसको कुछ मज़ा आया और वो बोली- अब फिर से दर्द कुछ कम होने लगा है ।

यह सुन कर मैंने धीरे-धीरे धक्के लगाने शुरू कर दिए। अब उसको मज़ा सा आने लगा था और अब पिन्की ने अपनी गाण्ड को उछालना शुरू कर दिया था।

जब मैं कुछ देर यू ही आहिस्ता-आहिस्ता धक्के मारता रहा तो पिन्की एकदम से उत्तेजित हो कर बोली- अब मज़ा आ रहा है और अब जोर-जोर से धक्के लगाओ।

यह सुन कर मैंने अपने धक्कों की रफ़्तार बढ़ानी शुरू कर दी और कुछ ही समय में मैं पिन्की को तेजी के साथ चोदने लगा।

अब पिन्की चूत चुदाई का पूरा मज़ा ले रही थी और मुँह से बड़बड़ा रही थी- हाय.. बड़ा मज़ा आ रहा है.. आदी.. जोर से चोदो.. फ़ाड़ दो मेरी चूत को.. पेल दो अपना पूरा लण्ड.. मेरी चूत में.. अहहाय.. ... स्ससीईई स्सस्सीईई.. ऊऊफ़फ़.. मजजाआ आ रहहा है.. ह्हह्हूऑन ह्हहाआईइ ममीईर्राआ..

यह कहते हुए पिन्की ने अपनी कमर और गाण्ड को तेजी से हिलानी शुरू कर दी और 'स्सीईई.. स्ससीईई..' करते हुए झड़ गई।

मैं अभी तक जोर-शोर के साथ धक्के मार रहा था। कमरे में 'फच.. फच..' की आवाज़ आ रही थी और मैं 'धमाधम..' धक्के मारे जा रहा था।

थोड़ी देर बाद पिन्की फिर से 'स्सस्सीईई.. स्सस्सीईई स्ससी..' करते हुए झड़ गई और मैं अभी तक डटा हुआ था और फुल स्पीड से धक्के मार रहा था।

मैं पूरा का पूरा पसीने-पसीने हो गया था.. लेकिन धक्के लगाता ही रहा। काफ़ी देर तक तक फुलस्पीड से धक्के लगाने के बाद मुझे लगा कि अब मैं भी झड़ने वाला हूँ और मेरे मुँह से भी अनाप-शनाप निकलने लगा कि हाय.. मेररि र्राअन्नी.. म्ममीर्राआअ.

तो पिन्की एकदम बोली- अपना लण्ड बाहर निकाल लो.. इसे चूत के अन्दर नहीं झाड़ना है.. वरना गड़बड़ हो सकती है।

मैंने फ़ौरन ही लण्ड को चूत से बाहर निकाल लिया और पिन्की से कहा- हाथ से तेजी के

साथ लण्ड को आगे-पीछे करो ।

उसने ऐसा ही करना शुरू कर दिया और मैं उसके होंठ बहुत ही ज़ोर-ज़ोर से चूसने लगा और एक हाथ से उसकी चूचियां दबाता रहा ।

मेरा दूसरा हाथ उसके चूतड़ों और गाण्ड पर फिरने लगा ।

कभी-कभी जोश के कारण मैं अपनी उंगली उसकी गाण्ड में भी अन्दर करने लगा । पिन्की तेजी के साथ झटके देने लगी और मैं 'ऊफ़फ़..ऊऊफ़फ़.. आ..हूहाआआऐईईइइ..

हूहाआआऐईईइइ..' करता हुआ झड़ गया ।

मैंने झड़ते-झड़ते जोश में अपना मुँह उसकी चूचियों में जोर से दबा दिया और उसकी गाण्ड में अपनी पूरी उंगली अन्दर कर दी.. तो वो चिल्ला पड़ी और बोली- क्या मेरी चूचियों को ही काट खाओगे ।

यह कह कर मेरा सिर अपनी चूचियों में जोर से दबा लिया ।

हम कुछ देर यूँ ही पड़े रहे और फिर उठे तो देखा कि शाम के 6 बज गए हैं, हम दोनों उठ कर बाथरूम में गए.. जहाँ पर पहले तो पिन्की ने मेरा लण्ड पकड़ कर मुझ को पेशाब कराया और फिर मैंने पिन्की को अपने सामने उकड़ू बैठा कर अपनी उंगलियों से उसकी चूत को चौड़ाया और पेशाब करने को कहा । जब वो पेशाब करने लगी तो पता नहीं मुझे क्या सूझा कि मैंने उसकी चूत के अन्दर अपनी उंगली करनी शुरू कर दी और वो हँसती रही और पेशाब करती रही ।

फिर हम लोगो ने अपने-अपने कपड़े पहने और बाहर आकर सोफ़े पर बैठ गए ।

पिन्की मेरे लिए चाय बनाकर लाई और हम दोनों ने चाय पी । फिर थोड़ी देर हमने बात की ओर मैं अपने घर आ गया ।

दोस्तो, यह थी मेरी कहानी । ये कहानी एकदम सच्ची है.. बस इसे रोचक बनाने के लिए कुछ मसाला डाला गया है ।

आप मुझे अपने सुझाव मुझे मेरी ई-मेल पर भेज सकते हैं और मुझे फ़ेसबुक पर भी अपने सुझाव भेज सकते हैं। मुझे आप सभी के सुझावों का इन्तजार रहेगा ताकि अगली कहानी में मुझसे कम से कम गलतियां हों।

sweetu.dolu@gmail.com

Other stories you may be interested in

सात दिन की गर्लफ्रेंड की चुदाई

नमस्कार दोस्तो ... मेरा नाम प्रकाश है. मैं 30 साल का हूँ. मैं मुंबई के पास कल्याण जिले में रहता हूँ. अभी फिलहाल एक प्राइवेट कंपनी में जाँब कर रहा हूँ. मैं आज तक बहुत सी लड़कियों के साथ सेक्स [...]

[Full Story >>>](#)

प्यारी भाभी संग जीवन का पहला सेक्स

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम राज है. मैं गुजरात में भावनगर से हूँ. हालांकि अब मैं सूरत में रहता हूँ. यह मेरी पहली कहानी है. मुझे लिखना नहीं आता है, इसलिए थोड़ा ऊपर नीचे हो जाए, तो मुझे मेल करके जरूर [...]

[Full Story >>>](#)

चुदने को बेताब मेरी प्यासी जवानी-2

मेरी सेक्स कहानी के प्रथम भाग चुदने को बेताब मेरी प्यासी जवानी-1 में आपने पढ़ा कि कॉलेज में जाते ही मेरा दिल धड़कने लगा था किसी जवान मर्द के लिए, मेरी प्यासी जवानी मेरे सर चढ़ कर बोल रही थी. [...]

[Full Story >>>](#)

गांव के देसी लंड ने निकाली चूत की गर्मी

मेरी पिछली कहानी थी भाभी के भैया को बना लिया सैंया मेरा नाम रेखा है और मैं देखने में काफी सेक्सी लगती हूँ. मैं गांव में रहने वाली देसी लड़की हूँ इसलिए यहाँ पर जगह का नाम नहीं बता सकती. [...]

[Full Story >>>](#)

ताऊ जी का मोटा लंड और बुआ की चुदास

जो कहानी मैं आप लोगों को सुनाने जा रहा हूँ वह केवल एक कहानी नहीं है बल्कि एक सच्चाई है. मैं आज आपको अपनी बुआ की कहानी बताऊंगा जो मेरे ताऊ जी के साथ हुई एक सच्ची घटना है. आगे [...]

[Full Story >>>](#)

